विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

एम.ए. हिन्दी

प्रथम सिमेस्टर

(नियमित और स्वाध्यायी)

सत्र 2016–2017

(मराविद्यालयों के लिए)

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सिमेस्टर

(नियमित और स्वाध्यायी)

निर्धारित पाठ्यक्रम
सत्र 2016–2017

प्रथम प्रश्नपत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास।

द्वितीय प्रश्नपत्र – आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास।

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र।

चतुर्थ प्रश्नपत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी।

प्रथम प्रश्नपत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 40 अंक (नियमित)

पूर्णांक – 50 अंक (स्वाध्यायी)

इकाई – 1 व्याख्यांश –

1 **विद्यापति** विद्यापति – (सम्पादक) डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल
पद क्रमांक–1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36 और 39 (20 पद)

2 **कबीर** कबीर ग्रंथावली – (सम्पादक) डॉ. माता प्रसाद गुप्त
गुरुदेव कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) विरह कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) ज्ञान विरह कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), परचा कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10),
पद क्रमांक – 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70 (दस पद)

इकाई – 2 व्याख्यांश – **जायसी**
पदमावत – (व्याख्याकार) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
(मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 3 विद्यापति और कबीर से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4
1 जायसी से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।
2 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से सम्बन्धित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि–चंदबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास और नामदेव से सम्बन्धित लघूत्तरीय प्रश्न।

अंक–विभाजन (नियमित)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 3 = 15 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
पूर्णांक = 40 अंक

अंक–विभाजन (स्वाध्यायी)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 4 = 20 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 6 = 30 अंक
पूर्णांक = 50 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से सम्बद्ध होंगे (आन्तरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. विद्यापति – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
2. विद्यापति विभा – डॉ. वीरेन्द्रकुमार बड़सूवाला
3. विद्यापति पदावली – (सम्पादक और अनुवादक) आनन्द केंटिश कुमारस्वामी और अरुण सेन (भूमिका लेखक) डॉ. विद्यानिवास मिश्र
4. विद्यापतिका – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. विद्यापति पदावली – (सम्पादक) रामवृक्ष बेनीपुरी
6. विद्यापति – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. विद्यापति – रमानाथ झा (अनुवादक) महेन्द्रकुमार वर्मा
8. कबीर – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
9. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
10. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
11. कबीर वचनामृत – डॉ. विद्यानिवास मिश्र और डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
12. कबीर वाङ्मय (तीन भाग) – (सम्पादक) जयदेव सिंह और वासुदेव सिंह

13. कबीर – प्रभाकर माचवे
14. कबीर : एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा
15. जायसी ग्रन्थावली – (सम्पादक) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
16. जायसी – रामपूजन तिवारी
17. जायसी – परमानन्द श्रीवास्तव
18. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
19. सन्त साहित्य के प्रेरणास्रोत – परशुराम चतुर्वेदी
20. सन्त साहित्य – डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल
21. सूफीमत और हिन्दी साहित्य – डॉ. विमलकुमार जैन
22. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
23. हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
24. उत्तर भारत की सन्त परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
25. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
26. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
27. नामदेव – माधव गोपाल देशमुख (अनुवादक) प्रभाकर माचवे
28. खुसरो की हिन्दी कविता – (सम्पादक) ब्रजरत्नदास
29. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30. अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्य – गोपीचन्द्र नारंग (अनुवादक) नूर नबी अब्बासी
31. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ. नामवर सिंह
32. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी और डॉ. नामवर सिंह
33. चंदबरदाई – शांता सिंह

द्वितीय प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 40 अंक (नियमित)

पूर्णांक – 50 अंक (स्वाध्यायी)

इकाई – 1 व्याख्यांश – 1 स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद

2 आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई – 2 व्याख्यांश : गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – 3 स्कन्दगुप्त और आधे अधूरे से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 1 गोदान से आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी नाटक, रंगमंच, उपन्यास के इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध 5 लघूत्तरीय प्रश्न होंगे।

1 **नाटककार** – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।

2 **उपन्यासकार** – जैनेंद्र कुमार, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी और मन्नू भंडारी।

अंक–विभाजन (नियमित)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 3 = 15 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
पूर्णांक = 40 अंक

अंक–विभाजन (स्वाध्यायी)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 4 = 20 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 6 = 30 अंक
पूर्णांक = 50 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा।
2. कमल का सिपाही – अमृत राय।
3. प्रेमचन्द – सं. विश्वनाथप्रसाद तिवारी।
4. प्रेमचन्द – सत्येन्द्र।
5. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।
7. द्वितीय समरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
8. अमृतलाल नागर एवं अमृत और विष – डॉ. हरिमोहन बुधौलिया।
9. भारतेन्दु का नाट्य–साहित्य – डॉ. वीरेन्द्रकुमार शुक्ल।
10. भारतेन्द्रयुगीन नाट्य–साहित्य – डॉ. भानुदेव शुक्ल।
11. प्रसाद : नाट्य और रंग शिल्प – डॉ. गोविन्द चातक।
12. प्रसाद के नाटकों की पुनर्रचना – डॉ. सिद्धनाथकुमार।
13. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीशचंद्र जोशी।
14. हिन्दी नाट्क और रंगमंचः पहचान और परख – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
15. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – नेमिचन्द्र जैन।
16. आज का हिन्दी नाटक : प्रगाति और प्रभाव – डॉ. दशरथ ओझा।

17. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा।
18. समकालीन हिन्दी रंग नाटक – डॉ. विनय।
19. आज के हिन्दी नाटक – डॉ. जयदेव तनेजा।
20. रंगमंच सरोकार – डॉ. पवनकुमार मिश्र।
21. प्रसाद के नाटक – परमेश्वरीलाल गुप्त।
22. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन।
23. संस्कृत और हिन्दी नाटक – रचना एवं रंगकर्म – डॉ. जयकुमार जलज।
24. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास – प्रो. बी.एल. आच्छा

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक – 40 अंक (नियमित)

पूर्णांक – 50 अंक (स्वाध्यायी)

इकाई – 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन और काव्य–प्रभेद।

इकाई – 2 रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अंलकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 3 रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई – 4 ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

रीतिकालीन कवि – आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण, काव्य परंपरा एवं कवि–शिक्षा।

इकाई – 5 आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी/सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक–विभाजन (नियमित)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 3 = 15 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
पूर्णांक = 40 अंक

अंक–विभाजन (स्वाध्यायी)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 4 = 20 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 6 = 30 अंक
पूर्णांक = 50 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र।

2 भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. उदयभानु सिंह।

3 हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – संपा. डॉ. भगीरथ मिश्र।

4 भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

5 साहित्य सिद्वान्त – डॉ. रामअवध द्विवेदी।

6 रीतिकाल के प्रमुख आचार्य – डॉ. सत्यदेव चौधरी।

7 हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल।

8 हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी।

9 हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल।

10 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा ।

11 रस–सिद्वान्त – डॉ. नगेन्द्र

12 विश्वेश्वर से महाकालेश्वर (आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रन्थ) संपा. डॉ. विद्यानिवास मिश्र और डॉ. जगदीश शर्मा।

13 भारतीय काव्य–विमर्श – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

14 अर्द्धशती का भारतीय काव्य : विपक्ष और पक्ष – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

16 शब्दशक्ति सम्बन्धी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्यशास्त्र – डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

17 सर्जनात्मक भाषा और आलोचना – डॉ. बी.एल.आच्छा।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक – 40 अंक (नियमित)	पूर्णांक – 50 अंक (स्वाध्यायी)

इकाई 1 कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण; पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई 2 पारिभाषिक शब्दावली

1 पारिभाषिक शब्द : परिभाषा, विशेषताएँ और प्रकार।

2 पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत।

3 पारिभाषिक शब्दावली : उदाहरण एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई 3 हिन्दी कम्प्यूटिंग

1 कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।

2 इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रख–रखार एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।

3 वेब पब्लिकेशन।

4 इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप कम्प्यूनिकेटर।

5 लिंक, ब्राउजिंग, पोर्टल, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई 4 पत्रकारिता

1 पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

2 हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

3 समाचार–लेखन कला।

4 संपादन के आधारभूत तत्त्व।

5 व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई 5 पत्रकारिता

1 पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन।

2 संपादकीय लेखन

3 पृष्ठसज्जा

4 साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन

5 प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार–संहिता।

अंक–विभाजन (नियमित)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 3 = 15 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 5 = 25 अंक
पूर्णांक = 40 अंक

अंक–विभाजन (स्वाध्यायी)
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 X 4 = 20 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 X 6 = 30 अंक
पूर्णांक = 50 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोककुमार रस्तोगी।

2 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक सन्दर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।

3 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।

4 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

5 व्यावहारिक हिन्दी – महेन्द्र मितल।

6 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।

7 हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र।

8 मध्यप्रदेश में पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास – डॉ. विजयदत्त श्रीधर।

9 मालवा की हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. मोहन परमार।

10 आधुनिक पत्रकार कला – रा.ट. खण्डेलकर।

11 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

12 आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी

13 सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी

14 पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. भोलानाथ तिवारी और डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी

15 प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार – डॉ. राजेन्द्र मिश्र